मप्र में हस्तशिल्प-हथकरघा का विकास करेगी ईडीआईआई

संस्थान के महानिदेशक डॉ. सुनील शुक्ल ने दी जानकारी

पीपुल्स संवाददाता ● भोपाल

editor@peoplessamachar.co.in

भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान मप्र में कई स्थानों पर हस्तशिल्प और हथकरघा क्षेत्रों में व्यापक विकास कार्य के लिए प्रयत्नशील है। इसमें चंदेरी और महेश्वर में हथकरघा, बैतूल में टेरा-कोट्टा और ग्वालियर में कालीन प्रमुख हैं। यह जानकारी मंगलवार को भोपाल के एक स्थानीय होटल में संस्थान के महानिदेशक डॉ. सुनील शुक्ल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। डॉ. शुक्ल ने कहा, ईडीआईआई, क्लस्टर विकास में कई वर्षों के अनुभव और तकनीकी विशेषज्ञता के साथ मप्र के लोगों को विशेष हथकरघा को बढ़ावा देने के लिए इन संसाधनों और कौशल विकास उद्यमों का उपयोग करने में सक्षम बनाने के लिए राज्य सरकार, उद्योग और अन्य सहायता संस्थानों के साथ हाथ से काम करने के लिए तत्पर है। जिनमे हस्तनिर्मित उत्पाद, कृषि, बागवानी और वन आधारित उत्पाद, इकोटूरिज्म, हर्बल वेलनेस उत्पाद प्रमुख हैं। डॉ. सुनील शुक्ल

ने बताया, शैक्षणिक क्षेत्र में ई डी आई आई डीएसटी, भारत सरकार, के सहयोग से विज्ञान और प्रौद्योगिकी पृष्ठभूमि के उद्यमियों को विकसित करने और फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के माध्यम से संसाधन विकसित कर रहा है। इसी दिशा में ईडीआईआई ने मप्र के प्रमुख संस्थानों जैसे मप्र कौशल विकास मिशन, राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर और राज्य सरकार के साथ कई अन्य एमओयू (समझौता ज्ञापन) किया है। राज्य में प्रमुख शिक्षा संस्थानों के सहयोग से ईडीआईआई का इरादा फिनटेक, एडुटेक, क्लीनटेक, हेल्थटेक, बायोटेक, आदि जैसे प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में छात्र उद्यमिता के लिए एक अनुकूल माहौल बनाना है।